महत्वपूर्ण एवं खास

निगम कर्मी की संदिग्ध परिस्थिति में मौत

कोरबा (आरएनएस)। अफ़सरों के आवास में ड्यूटी करने वाले एक निगम कर्मी की रविवार को संदिग्ध परिस्थिति में मौत हो गई। मामले में पुलिस मर्ग कायम कर जांच कर रही है। मानिकपुर चौकी अंतर्गत मुड़ापार बस्ती निवासी 49 वर्षीय होरीलाल गभेल नगर निगम कर्मी थाए जो अफ़सरों के आवास में ड्यूटी करता था। रविवार को उसकी ड्यूटी प्रभारी कार्यपालन अभियंता के आवास में थी, जहां काम के दौरान उसकी तबियत बिगड़ी। तब निगम कर्मचारी होरीलाल को उसके घर लेकर पहुंचे। वहां से उसे मेडिकल कॉलेज अस्पताल ले जाया गयाए जहां डॉक्टर ने जांच के बाद उसे मृत घोषित कर दिया। होरीलाल के बेटे आनंद कुमार के मुताबिक होरीलाल को ड्यूटी के दौरान इस तरह से घर नहीं लाया था। वे कभी-कभार ही शराब पीया करते थे। इसलिए किसी अन्य कारण से उनकी मौत हुई होगी। हालांकि निगम के अधिकारियों ने घटना की सूचना पर अस्पताल पहुंचकर होरीलाल के परिजन को ढांढस बांधते हुए नगर निगम के प्रावधान के तहत सहायता मुहैय्या कराने का आश्वासन दिया। वहीं पुलिस ने मामले में मर्ग कायम कर मृतक के शव को पोस्टमार्टम कराया। पुलिस के मुताबिक रिपोर्ट आने के बाद मौत की वास्तविक वजह का पता चलेगा।

छत्तीसगढ़ में कोरोना वैक्सीन की दोनों खुराक लेने वालों की संख्या हुई एक करोड़ पार

रायपुर (आरएनएस)। छत्तीसगढ़ में कोरोना वैक्सीन की दोनों खुराक लेने वालों की संख्या एक करोड़ को पार कर गई है। कोरोना संक्रमण से बचाव के लिए प्रदेश में एक करोड़ 22 हजार 404 लोगों ने इसके दोनों टीके लगवा लिए हैं। यह प्रदेश में टीकाकरण के लिए पात्र आबादी एक करोड़ 96 लाख 51 हजार का 51 प्रतिशत है। टीकाकरण की रफ्तार बढ़ाने के लिए विगत 1 दिसम्बर से समर्थन मूल्य पर किसानों से धान खरीदी की शुरूआत के बाद खरीदी केंद्रों में भी कोरोना टीकाकरण किया जा रहा है। कोरोना से बचाव के टीके की पहली और दूसरी, दोनों खुराकों को मिलाकर प्रदेश में अब तक (5 दिसम्बर तक) दो करोड़ 79 लाख 93 हजार 381 टीके लगाए जा चुके हैं। राज्य में टीकाकरण के लिए पात्र 91 प्रतिशत जनसंख्या को पहला टीका लगाया जा चुका है। प्रदेश के एक करोड़ 79 लाख 70 हजार 977 नागरिक संक्रमण से बचाव के लिए पहला टीका लगवा चुके हैं।

बोलेरो-बाइक की भिड़त में 2 मासूम बच्चों की हुई मौत 2 गंभीर

कोंड़ागांव (आरएनएस)। जिले के फरसगांव थाना अंतर्गत ग्राम आंवड़ाभाटा चौक नेशनल हाईवे 30 में एक दर्दनाक हादसे में एक परिवार के दो मासूम बच्चों की मौत हो गई वहीं बाइक चालक पति और पत्नी गंभीर रूप से घायल हो गए हैं। प्राप्त जानकारी के अनुसार ग्राम छिंदली निवासी भारत मरकाम अपने पत्नी सावित्री मरकाम एवं अपने लगभग पांच व छः वर्षीय बच्चे के साथ बाइक क्रमांक सीजी- 27 एच 5583 से अपने ससुराल माझीं आठगांव आया हुआ था। शाम लगभग 07 बजे छिंदली अपने घर वापसी के दौरान रायपुर से जगदलपुर की ओर जा रहे बोलेरो क्रमांक सीजी 03-3841 से आमने-सामने भिड़ंत टक्कर हो गई। इस जबरदस्त टक्कर में बाइक चालक एवं उसकी पत्नी बुरी तरह जख्मी हो गए और दो मासूमों की मौत हो गई। कोंडागांव एडिशनल एसपी शोभराज अग्रवाल , फरसगांव एसडीओपी मणि शंकर चंद्रा थाना प्रभारी हरिनंदन सिंह मौके पर पंहुचकर गंभीर रूप से घायल दोनों पति-पत्नी को इलाज के लिए अस्पताल भेजा।

जिले के प्रभारी सचिव निरंजन दास ने किया धान उपार्जन केन्द्रों का निरीक्षण

» टोकन, बारदाने एवं मूलभूत व्यवस्थाओं के संबंध में किसानों से ली जानकारी

» धान की नमी मापने के दिए निर्देश

रायगढ़। प्रबंध संचालक छ.ग.राज्य आपूर्ति निगम व सचिव वाणिज्यिक कर (आबकारी) तथा जिले के प्रभारी सचिव निरंजन दास ने आज रायगढ़ जिले के विभिन्न उपार्जन केन्द्रों का निरीक्षण किया। इस दौरान सचिव दास ने धान उपार्जन केन्द्र बरमकेला का निरीक्षण किया। यहां उन्होंने धान की क्वालिटी, धान की नमी का मापन एवं धान की तौलाई का निरीक्षण किया। इस दौरान धान विक्रय करने आए किसानों से चर्चा की। उन्होंने किसानों से टोकन, बारदाने एवं मूलभूत व्यवस्थाओं की जानकारी ली। जिस पर वहां उपस्थित ग्राम खोरी निवासी किसान शीतल कुमार नायक ने बताया कि उपार्जन केन्द्र में किसानों के लिए सभी प्रकार की समुचित व्यवस्था की गई है। इसके साथ ही टोकन प्रदान एवं तौलाई भी समय पर हो रही है। बरमकेला निवासी भागीरथी सिदार ने बताया कि केन्द्रों में सभी प्रकार की समुचित व्यवस्था की गई है। टोकन भी समय में मिल जा रहा है एवं भुगतान भी समय से बैंक के माध्यम से की जा रही है। यहां उन्होंने प्रबंधक धरमपाल से उपलब्ध बारदानों के संबंध में जानकारी ली। उपार्जन केन्द्र में बारदानों की सिलाई व्यवस्था को भी देखा तथा उन्होंने बारदानों की सिलाई का कार्य तेजी से करने के निर्देश दिए, जिससे खरीदी प्रभावित न हो। इसके साथ ही उन्होंने प्रबंधक को उपार्जन केन्द्र को सुबह जल्दी प्रारंभ करने के निर्देश दिए ताकि किसानों को धान विक्रय करने में और अधिक सुविधा हो सके।

इसके पश्चात सचिव दास ने सरिया उपार्जन केन्द्र का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने यहां धान तौलाई का निरीक्षण किया। सचिव दास द्वारा समिति प्रबंधक से नए एवं पुरानें बारदानों की जानकारी ली। इस दौरान उन्होंने बारदानों की सिलाई का कार्य उर्पाजन केन्द्र में करवाने के निर्देश दिए। इसके साथ ही उन्होंने मिलरों द्वारा धान उठाई के संबंध में जानकारी ली। जिस पर समिति प्रबंधक द्वारा बताया गया कि मिलर्स द्वारा धान की उठाई की जा रही है। इसके पश्चात उन्होंने कनकबीरा उपार्जन केन्द्र का भी निरीक्षण किया। यहां उन्होंने वर्तमान में धान खरीदी के संबंध में जानकारी ली। इस दौरान आज के लिए वितरित किए गए टोकन की जानकारी ली। जिस पर समिति प्रबंधक निराकार पटेल द्वारा बताया कि आज के लिए 15 टोकन प्रदान किया गया है। उन्होंने बताया कि एक दिन पूर्व वर्षा होने एवं धान में नमी होने के कारण टोकन कम वितरित किए गए है। इस दौरान सचिव दास द्वारा उर्पाजन केन्द्र में धान की तौलाई एवं धान की नमी का निरीक्षण भी किया गया। उन्होने निर्देश दिया कि अधिक नमी वाले धान की खरीदी न की जाए।

इसके बाद उन्होंने धान उर्पाजन केन्द्र सालर का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने हसौद निवासी किसान अभिलाल से चर्चा की। उन्होंने पूछा कि उर्पाजन केन्द्र में किसी प्रकार की समस्या तो नही है। जिस पर अभिलाल ने बताया कि टोकन से लेकर सभी प्रकार की मूलभूत व्यवस्था उपार्जन केन्द्र में की गई है। सचिव दास ने समिति प्रबंधक नरेश जायसवाल को निर्देश दिया कि बारदाने का सिलाई का कार्य उपार्जन केन्द्र में करवाया जाए। जिससे सिलाई का कार्य में तेजी आएगी एवं खरीदी की गति प्रभावित नहीं होगी। इसके पश्चात उन्होंने पटेलपाली धान संग्रहण केन्द्र का निरीक्षण किया। इसके पश्चात उन्होंने रियापारा रायगढ़ वार्ड क्रमांक 8 स्थित उचित मूल्य की दुकान का भी निरीक्षण किया। यहां उन्होंने चांवल की क्वॉलिटी, पीओएस मशीन, टैबलेट मशीन का निरीक्षण किया। इसके साथ ही वहां उपस्थित हितग्रहियों से व्यवस्था एवं नियमित सामग्री वितरण के संबध में जानकारी ली। उन्होंने पटेलपाली धान उपार्जन केन्द्र का भी निरीक्षण कर वहां खरीदी तथा सुविधाओं का जायजा लिया।

प्रभारी सचिव निरंजन दास ने पुसौर विकासखण्ड के छपोरा के धान उपार्जन केन्द्र का भी निरीक्षण किया। यहां उन्होंने धान खरीदी के साथ ही किसानों के लिए तैयार की गई सुविधाओं का भी जायजा लिया। यहां किसानों के लिए शेडयुक्त बैठक व्यवस्था के साथ स्वच्छ पेयजल एवं शौचालय की व्यवस्था की गई है। साथ ही किसानों के लिए टीवी लगाया गया है। दास ने तैयार की गई सुविधाओं की सराहना की। उन्होंने धान बेचने आए किसानों से चर्चा कर व्यवस्थाओं के संबंध में फीडबैक लिया। उन्होंने केन्द्र में धान खरीदी सुबह जल्दी शुरू करने के निर्देश दिए। जिससे उस दिन के लिए कटे टोकन के तहत खरीदी समय पर पूरी कर ली जाए।

इस दौरान एसडीएम रायगढ़ युगल किशोर उर्वशा, जिला खाद्य अधिकारी जी.पी.राठिया, उप पंजीयक सहकारी संस्थाएं सुरेन्द्र कुमार गोंड़, सहायक खाद्य अधिकारी चितरंजन सिंह, नॉन जिला प्रबंधक आदि नारायण सहित अन्य अधिकारी उपस्थित रहे।

एनटीपीसी लारा द्वारा भू-विस्थापितों को प्राथमिकता के आधार पर दी जाए नौकरी- भूपेश बघेल

» मुख्यमंत्री की विशेष पहल पर एनटीपीसी लारा के भू-विस्थापित 49 पात्र लोगों को नियुक्ति पत्र वितरित

» मुख्यमंत्री ने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से कार्यक्रम को किया संबोधित

रायगढ़। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल के लगातार प्रयासों और विशेष पहल से आज रायगढ़ में आयोजित कार्यक्रम में एनटीपीसी लारा ताप विद्युत परियोजना के लिए भूमि अधिग्रहण से प्रभावित 9 गांवों के 49 भू-विस्थापित लोगों को उनकी पात्रता के अनुसार एनटीपीसी लारा द्वारा स्थायी नियुक्ति पत्र प्रदान किए गए। मुख्यमंत्री बघेल भी इस कार्यक्रम में अपने निवास कार्यालय से वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से जुड़े। उन्होंने नौकरी प्राप्त करने वाले सभी लोगों को बधाई और शुभकामनाएं दी। उल्लेखनीय है कि इसके पहले भी प्रभावित 6 भू-विस्थापितों को नौकरी दी गई थी। मुख्यमंत्री के निर्देश पर शेष बचे पदों पर भर्ती के लिए फिर से विज्ञापन निकालकर परीक्षा आयोजित की गई, जिसके माध्यम से 49 लोगों को आज नियुक्ति पत्र प्रदान किए गए। इस तरह अब तक कुल 55 भू-विस्थापितों को पात्रतानुसार नौकरी दी जा चुकी है।

एनटीपीसी लारा द्वारा भू-विस्थापितों के लिए विभिन्न कुशल ट्रेडों में आईआईटी डिप्लोमा, लैब असिस्टेंट और असिस्टेंट जनरल के 79 पदों पर भर्ती का विज्ञापन निकाला गया था। इनमें से 22 आरक्षित पदों पर नियुक्ति होना अभी शेष है। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने अभी भी शेष बचे हुए भर्ती के 22 पदों पर पात्र भू-विस्थापित लोगों को उनकी योग्यता अनुसार नियुक्ति प्रदान करने के लिए उचित पहल करने के निर्देश आज कार्यक्रम में उपस्थित एनटीपीसी प्रबंधन के अधिकारियों और कलेक्टर रायगढ़ को दिए हैं। मुख्यमंत्री ने कार्यक्रम में कहा कि एनटीपीसी लारा के लिए अधिग्रहित की गई भूमि से प्रभावित हुए भू-विस्थापितों को पात्रतानुसार प्राथमिकता के आधार पर एनटीपीसी लारा में भविष्य में होने वाली भर्तियों में नौकरी दी जानी चाहिए। छत्तीसगढ़ के लोगों को भी भर्ती में प्राथमिकता दी जानी चाहिए।

कार्यक्रम में उपस्थित एनटीपीसी लारा के ईडी आलोक गुप्ता ने मुख्यमंत्री के निर्देशानुसार प्रभावित भू-विस्थापितों और छत्तीसगढ़ के लोगों को भविष्य में होने वाली भर्तियों में प्राथमिकता देने का आश्वासन दिया। आज आईआईटी इलेक्ट्रीशियन ट्रेड के पद पर 19, आईआईटी फिटर ट्रेड के पद पर 9, लैब असिस्टेंट कैमेस्ट्री के पद पर 5, डिप्लोमा इलेक्ट्रीकल ट्रेड के 4, डिप्लोमा मैकेनिकल ट्रेड के एक और असिस्टेंट जनरल के 11 पदों पर नियुक्ति पत्र प्रदान किए गए।

मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने एनटीपीसी लारा के भू-विस्थापितों को पात्रता अनुसार नान एक्जिक्यूटिव पदों पर नौकरी देने के निर्देश 5 मार्च 2019 को अपने निवास कार्यालय में आयोजित बैठक में एनटीपीसी के वरिष्ठ अधिकारियों, राजस्व मंत्री, मुख्य सचिव, राजस्व सचिव और कलेक्टर रायगढ़ की बैठक में दिए थे, जिसके तारतम्य में भू-विस्थापितों के लिए विभिन्न कुशल ट्रेडों में आईआईटी डिप्लोमा, लैब असिस्टेंट और असिस्टेंट जनरल के 79 पदों पर भर्ती का विज्ञापन जारी किया गया था। इसके लिए प्रथम चरण में आयोजित लिखित परीक्षा और कौशल परीक्षण के आधार पर 6 उम्मीदवारों को नियुक्ति प्रदान की गई थी। मुख्यमंत्री के निर्देश पर एनटीपीसी लारा द्वारा नवम्बर 2020 में 73 पदों पर भर्ती के लिए पुनः विज्ञापन निकाला गया, जिसके लिए परीक्षा के बाद 49 उम्मीदवारों का चयन किया गया, जिन्हें आज नियुक्ति पत्र प्रदान किए गए।

कार्यक्रम के दौरान विधायक प्रकाश नायक ने मुख्यमंत्री से आग्रह किया कि एनटीपीसी लारा के भू-विस्थापितों तथा छत्तीसगढ़ के लोगों को प्राथमिकता के आधार पर नौकरी दी जानी चाहिए। कलेक्टर रायगढ़ भीम सिंह ने कार्यक्रम में बताया कि एनटीपीसी लारा सुपर क्रिटिकल टेक्नॉलाजी पर आधारित बिजली संयंत्र है, जिसमें 800 मेगावाट क्षमता की 2 यूनिट हैं। इस संयंत्र से बिजली उत्पादन का 50 प्रतिशत हिस्सा छत्तीसगढ़ को मिलता है। उन्होंने बताया कि इस प्लांट के लिए 9 गांवों आरमुड़ा, बोड़ाझरिया, छपोरा, देवलसुर्रा, झिलगीटार, कांदागढ़, लारा, महलोई एवं रियापाली की 2000 एकड़ निजी भूमि अधिग्रहित की गई थी। इससे 2449 किसान प्रभावित हुए हैं।

मुख्यमंत्री ने ई-हाट एप के लिए इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय को किया पुरस्कृत

» कुलपति डॉ. एस.एस. सेंगर सहित डॉ. सक्सेना एवं वैज्ञानिक कौशिक हुए सम्मानित

रायपुर (आरएनएस)। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने राजधानी रायपुर के एक निजी होटल में आयोजित किसान समिट एवं अवार्ड समारोह में ऑनलाईन कृषि बाजार ई-हाट एप विकसित करने के लिए इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय रायपुर के कुलपति डॉ. एस.एस. सेंगर सहित डॉ. आर. आर. सक्सेना एवं वैज्ञानिक अभिजीत कौशिक को प्रशस्ति पत्र एवं पुरस्कार राशि का चेक भेंटकर सम्मानित किया। मुख्यमंत्री ने इसके लिए इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय परिवार को बधाई और शुभकामनाएं दी।

गौरतलब है कि इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय द्वारा विकसित ई-हाट एप छोटे एवं भूमिहीन किसानों के लिए एक ऑनलाइन कृषि बाजार है, जहां यह फ्लों सब्जियों अन्य कृषि उत्पादों को खरीद सकते हैं या दे सकते हैं या विज्ञापन कर सकते हैं। यह ऐप कृषि उत्पादों रचनात्मक वस्तुओं और छोटे घरेलू उत्पादों को खरीदने के लिए एक बड़ा ऑनलाइन बाजार का अवसर उपलब्ध कराता है।

यह किसानों को अपने छोटे कृषि उत्पादों को बेचने के लिए प्रोत्साहित करता है और अपनी आप के साथ-साथ गैर-किसान उपयोगकर्ताओं को अपने कौशन को बदलने के लिए प्रोत्साहित करता है ताकि बाजार की समस्या के बारे में सोचे बिना बहुत छोटे प्रयासों के साथ पैसे कमा सके। इस ऐप की सबसे अच्छी विशेषता यह है कि युवाओं को ऑनलाइन बाजार और रोजगार उपलब्ध कराने के साथ-साथ उपयोगकर्ताओं के बीच संचार भी प्रदान करता है। इस एप्लिकेशन का मुख्य उद्देश्य किसानों को व्यापार के लिए प्रोत्साहित करना है और उन्हें अपने उत्पादों के लिए कीमत निर्धारित करने का प्लेटफार्म देता है। एप्लिकेशन में लेनदेन की पूरी प्रक्रिया में बिचौलिया को पूरी तरह से बाहर करता है।

सिंचाई परियोजनाओं के लिए 22 करोड़ रूपए स्वीकृत

रायपुर (आरएनएस)। छत्तीसगढ़ शासन ने विभिन्न सिंचाई परियोजनाओं के निर्माण एवं सुधार कार्यो के लिए 22 करोड़ 43 लाख 84 हजार रूपए की प्रशासकीय स्वीकृति दी है। योजनाओं के पूरा होने से दो हजार सात सौ चौतीस हेक्टेयर क्षेत्र में सिंचाई सुविधा मिल सकेगी।

कोरिया जिले के विकासखण्ड सोनहत के अंतर्गत प्रस्तावित बदरा जलाशय के बांध एवं नहर सुधार कार्य के लिए एक करोड़ 74 लाख 97 हजार रूपए की प्रशासकीय स्वीकृति प्रदान की गई है। योजना के पूरा होने से 342 हेक्टेयर क्षेत्र में सिंचाई सुविधा मिल सकेगी। विकासखण्ड सोनहत के अंतर्गत कुशमाहा जलाशय एवं नहर का जीर्णोद्धार कार्य के लिए एक करोड़ 27 लाख 94 हजार रूपए की प्रशासकीय स्वीकृति प्रदान की गई है। योजना के पूरा होने से 421 हेक्टेयर क्षेत्र में सिंचाई सुविधा मिल सकेगी। विकासखण्ड भरतपुर के अंतर्गत प्रस्तावित ओदारी डायवर्सन योजना के वियर में आवश्यक सुधार एवं मुख्य नहर में आर.डी. 0 मी. से 5700 मी. तक सी.सी.चैनल निर्माण कार्य के लिए दो करोड़ 40 लाख 46 हजार रूपए की प्रशासकीय स्वीकृति प्रदान की गई है। योजना के पूरा होने से 971 हेक्टेयर क्षेत्र में सिंचाई सुविधा मिल सकेगी।

बिलासपुर जिले के विकासखण्ड कोटा के अंतर्गत बांकीघाट-2 एनीकट कार्य के लिए एक करोड़ 75 लाख 25 हजार रूपए की प्रशासकीय स्वीकृति प्रदान की गई है। योजना के पूरा होने से 77 हेक्टेयर क्षेत्र में सिंचाई सुविधा मिल सकेगी। विकासखण्ड कोटा अंतर्गत औरापानी जलाशय का शीर्ष कार्य का सुदृढ़ीकरण एवं नहरों का सीमेंट कांक्रीट लाईनिंग कार्य के लिए दो करोड़ 48 लाख 97 हजार रूपए की प्रशासकीय स्वीकृति प्रदान की गई। योजना के पूरा होने से 233 हेक्टेयर क्षेत्र में सिंचाई सुविधा मिल सकेगी। विकासखण्ड कोटा के अंतर्गत मझगांव एनीकट कार्य के लिए दो करोड़ 96 लाख 97 हजार रूपए की प्रशासकीय स्वीकृति प्रदान की गई है। योजना के पूरा होने से 120 हेक्टेयर क्षेत्र में सिंचाई सुविधा मिल सकेगी। विकासखण्ड मस्तूरी अंतर्गत मोंगरा जलाशय उन्नयन कार्य के लिए एक करोड़ 22 लाख 55 हजार रूपए की प्रशासकीय स्वीकृति प्रदान की गई है। योजना के पूरा होने से 160 हेक्टेयर क्षेत्र में सिंचाई सुविधा मिल सकेगी।

छत्तीसगढ़ में हुआ है सर्वाधिक लंबाई के बैंगन निरंजन का ईजाद

» ईजादकर्ता कृषक लीलाराम मुख्यमंत्री द्वारा राज्य स्तरीय कृषक सम्मान से सम्मानित

रायपुर (आरएनएस)। कृषि के क्षेत्र में नवीनत्म तकनीक का समावेश कर कृषक लीलाराम साहू ने बैंगन की नई किस्म ईजाद की है। इसे निरंजन बैंगन का नाम दिया गया है। इसकी खासियत यह है कि देश मे उत्पादित विभिन्न प्रजातियों के बैंगन में से इसकी लंबाई सर्वाधिक हैं। इसकी लंबाई अधिकत्म दो फीट तक हो सकती है। धमतरी जिले के कुरूद निवासी लीलाराम को उसकी इस उपलब्धि के लिए मुख्यमंत्री भूपेश बघेल द्वारा आज राज्य स्तरीय कृषक सम्मान से सम्मानित किया गया है। उल्लेखनीय है कि वर्ष 2017 में तत्कालीन राष्ट्रपति प्रणव मुखर्जी के द्वारा साहू को उनके 'निरंजन' बैंगन के उत्पाद के लिए राष्ट्रीय स्तर पर सम्मानित किया जा चुका है।

लीलाराम ने उत्कृष्ट सब्जीवर्गीय उत्पादन के क्षेत्र में कई नवाचार किए हैं, इनमें से एक निरंजन बैंगन है। इसमें बीज की मात्रा कम और पल्प अधिक होता है, जिसके कारण यह बेहद स्वादिष्ट होता है। सब्जी उत्पादक कृषक लीलाराम साहू ने बताया कि इसे तैयार करने के लिए उन्होंने पारम्परिक रूप से देशी सिंघी भटा के बीज तैयार करने के लिए शुद्ध घी 100 ग्राम, शहद 200 ग्राम, बरगद के पेड़ की जड़ के पास की मिट्टी 500 ग्राम, गोमूत्र 2400 ग्राम, गोबर 1200 ग्राम में आवश्यक पोषक तत्व मिलाया जाता है। उपचारित बीज का प्रसंस्करण किया गया। इसके बाद बीजों में अंकुरण ज्यादा लाने, निरोग बनाए रखने, फल की लम्बाई में वृद्धि करने व गुदा की मात्रा बढ़ाने और स्वाद में बढ़ोतरी करने का कार्य भी किया गया। परिणामस्वरूप नवाचारी गुण से परिपूर्ण बैंगन की नई किस्म विकसित हुई। उन्होंने बताया कि इस बैंगन का नाम निरंजन उन्होंने अपने-अपने पिताजी के नाम पर किया है।

उक्त नवाचारी बैंगन के बीज को उनके द्वारा धमतरी सहित छत्तीसगढ़ के विभिन्न जिलों के प्रगतिशील किसानों को हर साल निःशुल्क वितरण किया जाता है। आज निरंजन बैंगन की खेती छत्तीसगढ़ के अलावा मणिपुर, पश्चिम बंगाल, झारखण्ड, गुजरात, महाराष्ट्र सहित केरल राज्य में भी की जाती है। बैंगन की उक्त प्रजाति के लिए राष्ट्रीय नवप्रवर्तक संस्थान अहमदाबाद के द्वारा डॉक्यूमेंटेशन के उपरांत साल-2017 में पेटेंट भी किया गया था।

SJU - Contact No. +91 9301915303 E-mail ID- sjunion29@gmail.com

Social Justice Union

Registered with Govt. No. 5526

Join SJU

अधिकार से न्याय तक

आवश्यकता

उद्देश्य एवं नियुक्तियां

मुख्य बिन्दु

पीड़ित संपर्क करें

अन्य बिन्दु

पढ़िए .... न्यायसाक्षी समाचार-पत्र

:: Address ::
Behind Stadium
Near Career
School, Raigarh,
C.G.
Pin 496001

www.nyaysakshi.com

सभी से अपील की गई है कि ज्यादा से ज्यादा संख्या में संघ से जुड़कर साथ का साथ दिया जावे ताकि प्रत्येक पीड़ित मानव को न्याय मिल सके एवं एक अच्छे समाज का निर्माण हो सके।

Join SJU Join SJU Join SJU Join SJU Join SJU